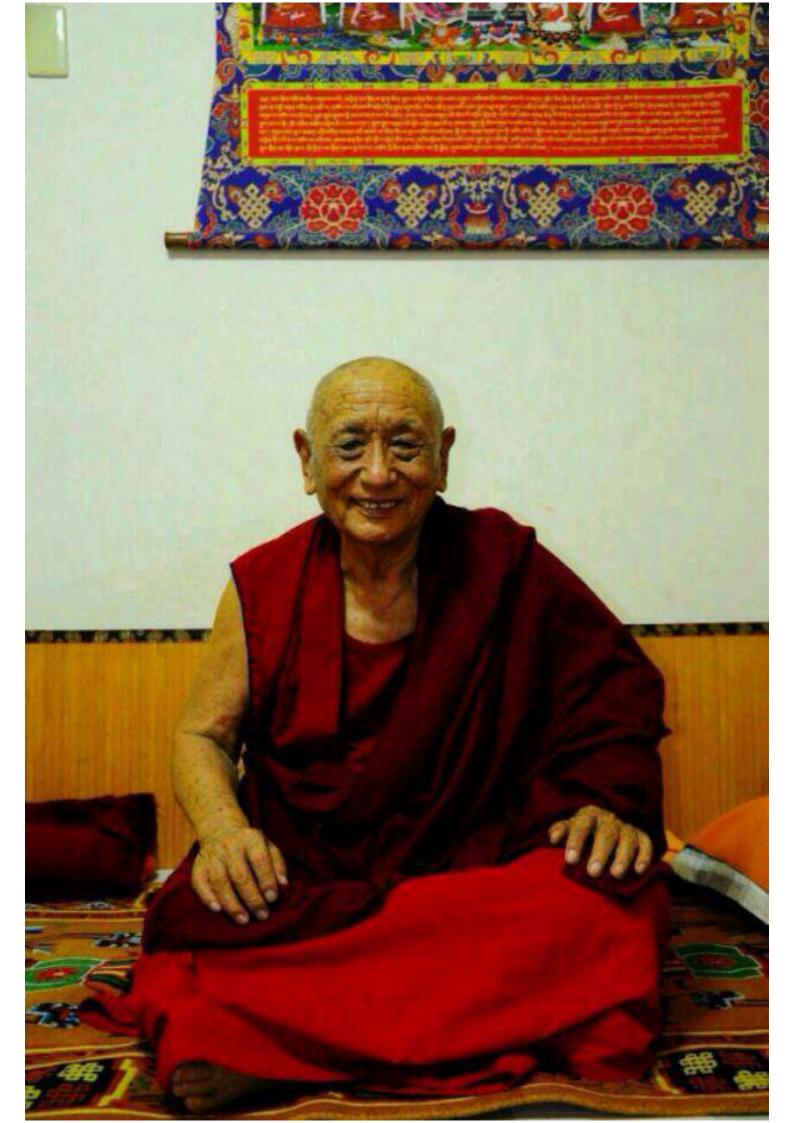
अश्चित्र से से प्राप्त के प्रमा के किया में से प्रमा के से प्रम के से प्रमा के से प्रम के से प



भी भी या स्मित्र या स्मित्र या स्मित्र स्मित्

रेगश्यम्भ्यार्थित्राणुःगर्याग्वान्त्रा रेगश्यप्रेप्त्यपार्याणुकायागुरुष्याग्वा रेगप्रस्थार्थान्त्राय्यान्यान्यास्त्रा रेगश्रस्थान्त्राय्यास्यास्त्रास्त्राधिताः

ते'य'तदीर क्षे'न' शुं में राया हिंदा हों र प्रकर रहें या दुदा बदा ने प्राप्त है र स्री हो ना श्रा शुं मा श्रा श्रा श्रा मा हो हो स्था श्रा श्रा हो स्था श्री हो स्था श्रा श्री हो स्था हो स्था श्री हो स्था श्री हो स्था श्री हो स्था श्री हो स्था ह

क्ष्मा'नश्या उत्र केश्या यम् गुर है। है। केंम्या इयश्यु नरे तहमाश्राख्यामश्रशागुन् मुंवि निर्देशत्त्रीय खेट क्रूराखट टेश'य'र्टा क्षेमा'यर'र्र'यर्र'न्याके'यर्थ्यान्याम्या भ्रम्यश्राक्षात्राक्षेत्राचिराक्षेत्रात्रा अवसायुगावसायात्रा वस्य उत्रमष्टिन्यपिर्मो प्याप्याप्याने स्रोते केत्राया महेन न्यार्थेया नर्गेशयाधेनयशा क्षेप्याष्ट्रपेति क्षेरायाधेन केशयहन ये केन हासुर्जिन्याने मालया गुरमर्दन सुरा ही मासूर माने रासी करा स्वार मिना सुर प्रेर प्रया परिक्र अया मेनिया पाया ये ये मि में स्थया ग्रै'र्चेम्'अर'टेश'यर'हम्बाय'अट'दम्'य'यहेत्र्व्याहेम्य नर्गेशा ने प्यट हमाश्यट नगमाट प्येन मु नर्देश मुन नुते केंबानेवटाइमाबाने नर्मे नासुवाची माटा बमानेबाटेबायम हेमाबा नर्गेशयासात्रात्रा नेत्रसूनाग्री हमाश्यापा नगायीतात्र ते हमाश केंशमाहेशस्त्रमुं अधुत्र द्ये प्यट द्या गुट देश यर द्येश यथा गट लेग केंश उठ दु पत्र विष्य क्षे प्राय्य से अपया से अपया

दे। वेश दे मार्शेश दर्देश सु र्श्वेश हे हमाश मार पर्मी द सदर हमश्यप्राप्तमानु वर्षो र्द्यामान्त्र त्राये से नास्ये र्शेग्रायसुन'नर्गेश'ग्रे'माट' त्रमाथा ह्याशकेंश'म्हेश'स्त'ग्रे भव्रम् निया अप्तानिया के निया मालन में भें नया न में ना माया ने पार्श्विन न में न केन र्ये द्रम्या भ्रम् त्रु न्याम्या प्रमा द्रम्या द्रम्या द्रम्या द्रम्या द्रम्या द्रम्या द्रम्या द्रम्या द्रम्या सर्यायमें मायर चेर पये रुषा सु यरमा हैर है। विषा चुये मत्रे हेन्यस्ट्रियास्य प्राप्त प्राप्त स्वर् हेन् सुरा । मार के प्रमुटा परि यनमान्नेन र्षेन नेन माना यो माने के प्रति हैं प्रति माने माने माने माने प्रति चित्रची'म्याचार्यराप्यायेत्र'याचीत्र'रित्र'र्वेग'येत्र'याय्यव्याद्ये नर्गे ५ दे हैं। न सृ से के ५ भरामका ये का भारती का से का के लिया। लेक् यम स्रुपाय भू तुर ला मार्थाया वर्षे के के वा वरे हित यमःयाः द्वेशायवे प्रतु साववाव युमायवे यु व र्यो दाया धेवायवे रेग्यायस्यावनाष्ट्रारेगाधेनारेयास्यास्या

भर्गेत्र'यसमाया'सा'सु ना'चेया नत्या स'ना'नेया'स्ना'याया मार' यार्सेटामार्भेटासा । देखाश्रमा उदास्टासमायश्रमा । माटा यार्सेटारी रियायमम् उर्धे रुटायणुरा विमा मासुरसायदे नर्गेरसाया सुराया प्येतायर सूरा यदारी मासा नत्र-रचर स्वा-रमय क्रा मुग्नामारा स्वा स्र स्या स्वा त्रोया यश क्षेप्पर्णेदशस्यवेत्यत्व । यहुद्द्रियद्यद्यद्यं र्त्त्र वी। मरमी मेमायाया देशिया ये एउना । युया है न प्यय देशा प्रया क्चें भेता वियागस्य या स्मा नत्रम्य पत्ति ए द्वा निया भेगा र्शेग्रथाद्याद्याद्या भूत्र्याद्यायद्यात्रम्यायाः मुवास्याद्याद्याद्या श्रेन्यायायाया त्रितः हमायाण्या सुनार्ख्यायने हिन्यों सु नर्भरेता वरे यवर र्वेग्यर क्षे न स्थान सुन मार्टा रे गुन'क्ष'क्षे'न'प्रे'अ'क्षुन'यदे'हग्रथ'नगेंन्'यदे'र्रेअ'य'दने' के'यरे'सम् के'यरेम'सये'सम्यानु स्रेशासायमा'सये'मेमा'सार्केश ठवा रटमी हेर प्रेव दुम्यूर यदे रेमा या श्रुमा प्रशास्त्र स्वाप्य स्वाप

है। मार्याया निरम्भाया धीना यादी सीमा द्योग दासमान मार्थना रुषाण्ची रेमा या निवन की विषा द्या परी क्षा सुरी की विषा स्थाप दम्बारात्राच्या पर्नायतर स्वाराया वर्ने यतर स्वाराया वर् विग्राया ने प्यटायायश्रास्टामीश्रास्रास्ट्रीराययश्रासः यर्भावर्गे यार्डभाद्या माल्काद्यामीशार्वभार्केतार्श्वरायां र्द्यायायहेन नयासुन र्द्रेयाङ्गायायसया उत्त्यायायन गुत्रायमा दर्गेशयम्बानायात्रभेद्रास्त्रा अविश्वत्राच्यायम्यविष् स्ने नियम् स्रित्ता त्या त्या स्वाया स्वाया स्ति त्या या त्या स्ति । चते र्से स्वापनायाय दे स्वर हुआ है। ट लेया चु च पदे र्चेना या चाट क्या ल्या अधर है है र त चुरा है। में जिस् लिया लिया चीट रट.धेट.चे.चतु.इश.श. ३.१८.२.५ वर्षर.रू.केश.२.चशश.च.धु. मान्न'न्याकी'न्याद'न्दिप्यास्यायास्यायास्यायास्यायाः श्वर मर हैर मान्या मु र्थर न ने। इन य वर्षे म नवे नर चर्ड्याणु ह्यासुत्र पर्ट्यान्य श्वा सुच र्द्याया द्वा पा पा स्म

मान्यामु र्योत् पायात्मात् पारा पारा रेते रहेया है भूरा येता क्ष्रभारु र्त्ते मात्र प्रमान्य ने र्द्या यहिन रु र्युर यात्र में या यदे र्देग्यायायदाश्रेमप्रमुटाश्चेदायया देवे देग्याया ने येथा याया देशयम् नुद्दर्गश्ययाधेन्यम् शेमश देखायायशयदे सूम बेबबाने। द्येरावानेटाष्ट्रायरायामहैबाबुटाटुायद्रायायवा तस्र पायमार्से नुर रुषेमाया क्षे पायम प्राप्त प्रमारे या हेर यो न मेशयालेगारेशयम्भी पर्मेश्चें लेजा ने के प्रयो प्रें का महिश्या भ्रात्वरारी चेटा बरायरायारी पर्यं सेग्रायपटा भ्रेती प्रवृत् यानुग्राके यार्थे दायादे है दाकेश यदम यदी मुक्त द्वार यस्त यश्योप्यम्याधिन ही। मालन दुः नः हेरायेन शर्मेन मानन नश यरेचर्याक्षेर्यम्भेवर्यम्भेवर्यम्भुवर्यम्भावत्यम्। र्थे में मा क्षे न प्येन प्रमाय सुमाय किए या क्ष्या मुख्य न गया है नमु स्मामी भ्री तथाया र्वेत सूर मार्थमा ग्रीत की रामेर वर्ग्य स्मान

र्रा। नेरामा बनाने या पा के खिया यहा ने प्रकार के विष्ट्रिया यहा निटार्स्रेन्यस्थायां भेष्मयां के क्टार्यं या समार्मेनाया भेष रटार्झेनशाण्चियारटारेन्निम्याकोकोक्टान्टार्झेस्नार्थान्नेना भे नुषाया प्रवित द्वा धेर तें में गायवर मर भे रागार वा भे प्रवे र्से सेंदे ' सि समा ' पर्टेश ' पर्शेमाश' प्रसेप ' प्रमेच ' पर्मेच र्ह्मेनरा-नुग्राके कुट रु प्रयुक्त नायशा कट हेनरा गुरा खुयाया र्धे सूर रट हैं ट में अया के कुट में या सूर्वाया भुवाया के कुट सेवाया शु'त्युर'न्यभेद्र'यर'व्यानर'द्युर'या देख्रर'र्धद्र'या के अर्देक शुअ'5'गुन'पश'ळें'परेपेभेश'प'स्रिन'ठेग'न्ट'र्ये'ने'यपट'र्ट मी हैर येत्र नेश य लिमा देश यर पेंद दर्मेश यर मुदा दी। माया हे 'कें 'यदिये 'युषा दे 'सा स्वये 'युषा ग्री कः मुषा ग्रामा मीषा हे रा ग्रेन मुर्यायायया मुद्दा ना स्रोत्रा श्रेस्या देवदाया स्रोत्रा स्रोस्या मुक्त न्यानेगामेयाहेरायेन चुयायायया चुटायायेन हे। गटामे शुगु थेत'णुट'कुट'दु'त्रश'य'श'शेशश'कुद'दट'र्धुद'य'वबट'टत'है' क्ष'न'ने'क्षेर'नु'र्रारानुग्रायां या व्याप्य व

र्शे क्षुम्यात् । दे प्यट र्सुमार्थामा हैमा र्यमा र्ममार्मे मार्था भार्ये दि प्यते । र्श्वेन'रु'र्र्यूट'र्से। ने'स्ट्रूट'पोन्न'न्य'र्यायानेश्वापानेश्वेन'रेन्य'स्युति क्रम्बासु नबा स्वास स्वास सु सासु स्वी स्वी देवा द्या यया माञ्चमार्थारमाञ्चरकान्यानुसान्तरकत्ते मान्तराष्ट्रीर रिपेर वर्गे द्वा भेर प्रभा य अवे ने य प्रति ने य प्रवे में य प्रति हैं चु'र्कट'न्य'र्वेन'य'क्षेर'र्-'पर्वो'र्नोय'यथयययप्रत्याक्ष्र्वया देवे के स्यामा है या शुया ये यया या या प्राया प्राय नरत्युरर्रे। ठे हे पासदे सेसस्य प्राचा यह का नया कर नया है क्षरायमें र्द्या विगारेश यर पेंदा के दे क्षर क्यर या अये हा प्यमान्नमाधुटानुबाखुरनेप्ट्राइनानेबायारेषाराधुराधुटा र्नोबायरावयुरावबा हे स्राप्ता र्वायार्केबा गुणावाबायायबा क्रियास्यायम्याप्ति। मालक्षेत्रचित्रास्याप्तर्मम्याण्या वियामासुत्यायाष्ट्रमा वाययाविमायाकेयासत्तुः शुन्ते सुना वर्क्षास्मायहम्बार्भिटासुबाद्वारुद्वार्भ्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र याही प्रविद्याने के देवी के अध्याण्य प्रदेश प्रविद्या प्रविद्या स्था स्था प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या स्था स

यश दे 'यद 'या या ने 'कमाशार्शिमाशा हेन से दिशा है यशा भुमाशा केशा क्ष्मा मुख्येया नार्ये नाये स्वीर में । माल्य प्या परि क्षेर क्षेर्या वाल्य प्या परि क्षेर क्षेर्या है। वैशयामादमीमाञ्चमायामाद्याद्यासम्बद्धाः मुराम्बुरम्मिर्देशस्य मुरामुराम्बर्धाः म्यान्य स्थितः स्थानित्र स् स्मा नेते सेस्याण्य स्थिति प्राची स्था से स्था चुर्याण्या र्यामायायाम्यायार्स्याम्याम्यास्यास्यात्राम्या पष्टिरार्शे है प्रविदायमाम्बदारु प्रचुराया भेराधराया है। युक् देट द्व भेद दु नमुयान र्शेम् श मुदायदा नमुयान र्श्मशायशायदशायदि। दुशा के 'सूर श्रेमशा गुःमादाया र्स्ट्वेद मिसशा के'कुट'मी'हेश'सु'दर्मी'न'न्ट'गुक'क्श'सर्द्ध्र्य'सर'दर्नेन्'न्मीश' तत्रिम्मे मालकाया। क्रामा स्थापनीयायमा मेममाया न हे'र्सेम्बार्मेस्या हु"ना । म्हामी हिमाप सुमाप वियामाशुट्यायाष्ट्रमा भेदीःमेमायार्ज्याया चर्ष्यायोदार्थेमायाणीः

स्मामा यदरमाल्कायादके से दानुससान से दे पान दार्शिता नर्मन्यायाययाने निष्ठानु त्युराना अर्घेटा केया सुत्रा गुना यथा शेथश ते में अथ पर्देश ग्रे हेश शुप्तर्गे पा छेट दुमायय पर देश'कुश'र्से । देश'क्'कु'अळक'दे'दमा'या'चहेक'क्श'अघत' मालक् रायेमार्थाः निष्णा सुरम् रायां अके साधिक गुष्टा सुर्था सुर्या गुर्था ५५ र्शेग्रायाद्यादार्भे में मुया कग्रार्थेग्रायार्भेन् सेंद्र्याके कुटा चुटा या इसराण्य हिंदा दु 'त्रीं 'धीं मीं सराया के 'क्या या या चुटा या धीदायरा देश'तुश'यशा सूर'ग्री'हगश'दे'य'यहेत'तशकें'यदेवे'ह्रसभेश' र्वेग्याने प्रति स्ति विश्वास्ति । विश्वस्ति इस्रानेश्वानेगारेश्यास्य वित्तानिश्यास्य मुना केटा दे मुना करे यन्ते स्थानेशन्दास्त्र प्रतिषादा वर्षास्य अविषा गुदार्थेन प्राप्त नुमार्या गुरायारा हु। या स्था अपित् यर योगारा यर गुरा ये। ने'न्याने'स्यान्याचेन'डेट'स्ये'न'स्यानेयापर्नेन' लुग्रायदेग्नाट वाग्रा यस्यायदे दक्षेस्रास्त्र स्वाप्त अर्केश उद्या रट मी हेर प्रच्या शु सुर परि रेमा परि सु अर

सक्समा हिमा है। तक संसमा प्रमान में में मान में यदे'दके'शेयय'निवन्त्री वियानमिन्यदे'हमायायानहेवावया क्षेप्त क्षेप्स र्थे द प्रदान दे त्रम द र त्रम द रेग्यायदे पश्चराया युट मेया मर्दि श्चराये दायो राया से णूटा मेंटाम्बायाणी कुष्मार्यं देश्या में स्वायं प्राया में स्वायं स्यायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वयं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वयं स्वायं स्वायं स्वयं स्वायं स्वायं स्वायं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स न'न्दा द्वारेन्नायार्ज्ञायार्ज्यम्बर्मिटादेशयानहत्यरा तबीर.हीरा क्र्.तस्.य.इ.सेर.पबीर.य.बेश.तपु.शर्र.जशा बेसबारुन इसबार्के पर्सेबाने क्षेपायेन र्ख्याया १ त्रास्रवाया र्नेत्र यहें द्राया श्रीया अवाय विवाय द्राया वे विवाय श्रीय विवाय सम्भी वर्ष्ट्राचार्टा के के लेट यका मार्मिका महें का के कि यका पत्रम्मसम्भानियायमाभी ७ वार्मन्यसम्भूमा वर्द्धरायाद्या के श्रिमालेशायहें दायशावर्याशास्त्राधराया रो न्याकरे भ्राचरुषान्ये प्रमुन्दा ने स्थया ग्री शुक्र से दारा त्रुव र्सेट सेव या है दट मट सर्केव रहें या सेमाश कु केर मासुट या

या इस्रायायाया या प्रायम स्थान या सृष्टी र्ये दाय दोगाया या में माया में दा में पाया हो माया से पाया है माया से पाया है माया से पाया भवतः विमा भेर दि मुया न भारति स्या रे स्वा रे मा भागा न ता हीं निश्चार्ता सराग्रुरायमें नागुराया गुस्या में स्वापित वासदीसवतायटा व्यवासी द्वाचा में प्रच्या सुर्वे वार्षे स्व र्क्षम्यायाने भ्रीत्। कुं मुत्रान्यस्यस् र्धेन स्तुत्र केंम्यायामीस्या क्रेन्यम्भानुमान्यम्भ्रीमान्यम्भ्रम् श्रीटार्पयास्त्राम्मायायायायायायायावाः जेग्रायसेवा।।।